अनुक्रम

● गत वर्षों के हल प्रश्न-पत्र

1. कला एवं सौन्दर्य..... 3–11
2. दृश्य कला के मूलाधार (तत्व, संयोजन के सिद्धान्त एवं परिप्रेक्ष्य) 12–22
3. माध्यम एवं तकनीक–(परम्परागत एवं आधुनिक) चित्रकला, मूर्तिकला, प्रिन्टिंग (मुद्रण), म्यूरल (भित्ति चित्रण) 23–31
4. विज्ञापन कला 32–40
5. फोटोग्राफी 41–48
6. भारतीय प्रागैतिहासिक कला एवं उनके केन्द्र 49–56
7. भारतीय मूर्तिकला एवं स्थापत्य कला 57–70
8. सिन्धु घाटी की सभ्यता 71–78
9. पूर्व बौद्धकाल (जोगीमारा) एवं बौद्ध चित्रकला (अजन्ता, वाद्य, सिंगीरिया) 79–91
10. मध्यकाल की चित्रकला (बादामी, सिन्तनवासल, एलोरा, पाल, जैन, अपभ्रंश शैली) 92–101
11. राजस्थानी चित्रकला 102–111
12. मुगल चित्रकला 112–121
13. पहाड़ी चित्रकला 122–133
14. आधुनिक भारतीय चित्रकला (कम्पनी/कालीघाट या बाजार शैली, बंगाल शैली) 134–143
15. भारतीय कलाकार (आधुनिक एवं समकालीन) 144–163
16. पश्चिमी प्रागैतिहासिक चित्रकला एवं उनके प्रमुख केन्द्र 164–171
17. मिस्र की कला (मैसोपोटामिया, क्रीट एवं माइसीनिया की कला) 172–179
18. मध्य युग (आरम्भिक ईसाई, बाइजेन्टाइन, रोमनस्क तथा गौथिक शैली) 180–188
19. शास्त्रीय कला (यूनानी, हैलेनिस्टक एवं रोमन शैलियाँ.) 189–196
20. पुनरुत्थानकालीन कला (फ्लोरेन्स, चरमपुनरुत्थान, नीदरलैण्ड की कला एवं रीतिवाद) 197–207
21. 17वीं तथा 18वीं शती की चित्रकला (बरोक, शास्त्रीयतावाद, यथार्थवाद, रोकोको शैली)..... 208–216
22. 19वीं शती पूर्वार्द्ध की चित्रकला (नवशास्त्रीयतावाद, स्वच्छन्दतावाद, यथार्थवाद, बारबिजनदल एवं प्राक्-रैफेलवाद) 217–225
23. पश्चिमी आधुनिक चित्रकला [प्रभाववाद, नवप्रभाववाद, उत्तर प्रभाववाद, प्रतीकवाद, फाववाद (जंगलवाद), घनवाद, अभिव्यंजनावाद व अन्य] 226–238
24. भारतीय लोक कला, नृत्यकला, संगीत कला, रेडियो एवं दूरदर्शन 239–248

परिशिष्ट 249–256

(क) भारत में स्थित प्रमुख संग्रहालय, (ख) प्रमुख कला संगठन एवं कला केन्द्र, (ग) प्रमुख भारतीय कलाकार एवं उनकी कृतियाँ, (घ) प्रमुख पश्चिमी कलाकार एवं उनकी कृतियाँ.

पाठ्यक्रम

इकाई–I

दृश्य कला के सामान्य लक्षण (विशेषताएँ). दृश्य कला के मूलाधार. स्थान, रूप, आकार, शेप, लाइन, रंग, टेक्स्चर (संरचना, बनावट), टोनल वैल्यूज परस्पेकटिव, डिजाइन तथा एस्थेटिक (सौन्दर्यात्मक) संगठन दृश्य तत्वों में एक आर्ट (कला) के ऑब्जेक्ट (बनावट) के रूप में. दृश्य कला में दो तथा तीन आयामों के उपयोगिता प्रयोग. कला में टेक्स्टाइल क्षमता (योग्यता). पर्यावरण तथा कला, कला में परसेप्चुअल और कन्सेप्चुअल पक्ष (बोधात्मक तथा वैचारिक पक्ष).

इकाई–II

विभिन्न कलाओं का अन्तर्सम्बन्ध–रिद्म, स्ट्रक्चर (संरचना), स्पेस का उपयोग–प्रयोग, दृश्य सामग्री (प्रॉपर्टी), तकनीक (परम्परागत और आधुनिक), विचार (आइडियाज), थीम (विवरणात्मक तथा अविवरणात्मक), बोधात्मक, एबस्ट्रेक्ट तत्व परफॉर्मिंग, सिनेमेटिक, लिटरेसी और प्लास्टिक कला के सन्दर्भ में.

इकाई–III

दृश्य कलाओं की संरचना (प्रस्तुति) में परम्परागत और आधुनिक माध्यम तथा सामग्री–यथा, पेन्टिंग, स्कल्पचर, प्रिन्ट-मेकिंग, म्यूरल, ग्राफिक डिजाइन तथा मल्टीमीडिया आर्ट (कला). समस्त विश्व में पूर्व ऐतिहासिक समय से आज तक के समय में इन माध्यमों और सामग्री की खोज, ग्रहणशीलता और विकास का परिचय.

इकाई–IV

परम्परागत और आधुनिक तकनीकें, प्रक्रियाएँ, प्रस्तुतियाँ, पेंटिंग, मूर्तिकला (स्कल्पचर), प्रिंट-मेकिंग, म्यूरल, ग्राफिक डिजाइन तथा मल्टीमीडिया कला (आर्ट) की प्रयोगात्मकता. यथा मॉडलिंग, कारविंग, बिल्डिंग, कास्टिंग, रंग-द्रव्य संयोजन में विभिन्न ढंग (यथा इम्पेस्टो, ग्लेजिंग, बर्निशिंग, ड्रिप) एचिंग, रिलीफ, सरफेस प्रिंटिंग, फ्रेस्को बुनो, फ्रेस्को सेको आदि. मुद्रण (प्रिंटिंग) प्रक्रिया में कम्प्यूटर ग्राफिक आदि.

इकाई–V

विश्व कला के इतिहास की प्रासंगिकता का अध्ययन (इसमें विज्ञापन तथा मार्केटिंग का इतिहास सम्मिलित है) दृश्य कला के विद्यार्थियों के सामान्य तथा कला इतिहास के लिए एक विशिष्टीकृत क्षेत्र के रूप में.

इकाई–VI

दृश्य कला के विद्यार्थियों के लिए कला की सौन्दर्य बोधात्मक और आलोचनात्मक प्रणालियों की प्रासंगिकता. इसमें प्रायोगिक कला के विद्यार्थी सम्मिलित हैं तथा कला इतिहास के विद्यार्थियों और आलोचना विशेषज्ञता भी.

इकाई–VII

पाश्चात्य कला इतिहास, पूर्व-इतिहास काल से समकालीन समय तक के कलाकारों और विभिन्न लैंडमार्क फेजिज (पक्षों) का अध्ययन, विचारधारा, सामग्री, तकनीक, शैली, थीम, फार्मल तथा शैलीपरक विकास के आधार पर.

इकाई–VIII

भारतीय कला इतिहास–पूर्व इतिहास काल से 18वीं शताब्दी तक के विभिन्न पड़ावों का अध्ययन (इसमें विज्ञापन का इतिहास सम्मिलित है) सामान्य तथा कलात्मक फीचर तथा विचारधारा, सामग्री तकनीक तथा थीम के विकास के संदर्भ में.

इकाई–IX

19वीं तथा 20वीं शताब्दी में आधुनिकता का विकास. भारतीय कला (इसमें एप्लाइड आर्टस् सम्मिलित हैं) विभिन्न कला आन्दोलनों के संदर्भ में माध्यमों, शैलियों, देश के विभिन्न क्षेत्रों में व्यक्ति कलाकारों की अवदान (भूमिका) का उल्लेख करना. कला-शिक्षा का विकास–ब्रिटिश कला स्कूलों से समकालीन समय तक.

इकाई–X

ट्राइबल, फोक तथा पॉपुलर आर्ट तथा क्राफ्ट प्रयोगों का महत्वपूर्ण अध्ययन–आधुनिक कलाकार समस्त विश्व के (इसमें एप्लाइड आर्टस् सम्मिलित हैं) फार्म, तकनीक, कथ्य (कन्टेंट) तथा कंसेप्टस् (संकल्पना) की दृष्टि से अध्ययन.